नव भारत

अवैक्स्कुलर नैक्रोसिस का सफल इलाज

जहांगीर हॉस्पिटल के डॉ. आशीष की सफलता

■ **पुणे,** (सं) कमर के जोड़ों के संदर्भ में हाल ही में एक गंभीर बीमारी सामने आई है, जिसका नाम है अवैक्स्कुलर नैक्रोसिस. इस गंभीर बीमारी का प्राकृतिक अस्थिपेशियों की थेरेपी से सफल इलाज कर 2 लोगों को नई जिंदगी दी गई है. पुणे के जहांगीर हॉस्पिटल के डायरेक्टर और आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. आशीष अरबट ने यह सफल इलाज किया. चिकित्सा विज्ञान में यह खोज काफी अहम होने का दावा जहांगीर हॉस्पिटल की ओर से किया गया है. इस संदर्भ में कोथरुड के जहांगीर हॉस्पिटल में प्रेस वार्ता में डॉ. अरबट समेत जहांगीर हॉस्पिटल के सेंटर हेड डॉ. रितेश चांदुरे, रिग्रो बायोसाइंसेस के टेक्निकल डायरेक्टर डॉ. चारुल भानजी तथा डॉ. दिशा बोंगाले आदि उपस्थित रहे. डॉ. अरबट ने बताया कि 57 वर्षीय पुरुष और 36 वर्षीय महिला दोनों को अवैक्स्कुलर नैक्रोसिस की गंभीर बीमारी है. इसके बाद उन्होंने 2 अलग-अलग तरीके से इन मरीजों का इलाज किया. 57 वर्षीय हेमंत के कमर और पैरों को जोड़ने वाले दोनों ही जोड़ों का ऑपरेशन किया गया. इसमें से एक जोड़ पर ड्युएल मोबिलिटी जॉइंट इम्प्लांट सर्जरी कराई गई तथा दूसरे जॉइंट पर ऑसग्रो तकनीक की शल्यक्रिया की. यह एक पेशियों पर आधारित तकनीक है. वहीं 36 वर्षीय महिला के कमर के निचले दोनों ही जॉइंट पर पर डॉ. अरबट ने ऑसग्रो तकनीक से सर्जरी की.

जनजागृति जरुरी : डॉ. अरबट

अवैक्स्कुलर नेक्रोसिस होने के वैसे तो कई कारण हैं जिसमें शराब और सिगरेट जैसी बुरी आदतें शामिल हैं. यह बीमारी होने पर कमर के निचले हिस्से में काफी तेज दर्द होता है. बीमारी गंभीर होने पर इसका असर मरीज की रीढ़ की हड्डी या दिल का दौरा पड़ने तक हो सकती है. ऐसे में फौरन इलाज कराना जरुरी होता है. यह बीमारी काफी नयी है. इसके संदर्भ में लोगों में ज्यादा जानकारी नहीं है. ऐसे में कमर के निचले हिस्से के जॉइंट में कोई भी तकलीफ हो तो फौरन ही संपर्क कर सफल इलाज करा लें, ऐसा आह्वान डॉ. अरबट तथा जहांगीर की टीम ने किया.